हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार, 25 मई 2025

11 नाला निर्माण में अवरोध बन रहा फैक्ट्रियों का कबाड़

12 माता अहिल्याबाई का जीवन प्रेरणादायक : आरती सिंह राव

खबर संक्षेप

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार, केस

बहादुरगढ़। स्पेशल स्टाफ झज्जर की टीम ने बहादुरगढ़ में अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सेक्टर-6 थाने में केस दर्ज किया गया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि सराय औरंगाबाद मोड़ के पास एक युवक हथियार लेकर खड़ा है। इस सूचना पर टीम तुरंत वहां गई और आरोपी को काबू किया। तलाशी लेने पर उसके पास से देशी पिस्तौल बरामद हुई। आरोपी की पहचान नीरज निवासी सुरहा के रूप में हुई है। आरोपी पर सदर थाने में भी एक केस दर्ज बताया जा रहा है।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव छारा से माजरा-डी के धार्मिक स्थल जा रहे एक श्रद्धालु को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से आई गंभीर चोटों के कारण युवक की मौत हो गई। पुलिस को दी शिकायत में छारा निवासी रितु ने बताया कि उनकी माजरा-डी के मंदिर में मान्यता है। गांव से पैदल जाकर श्रद्धालु वहां ध्वजा चढ़ाते हैं। शनिवार को वह, अपने भाई विनोद तथा गांव के ही सुनील के साथ ध्वजा लेकर अलसुबह तीन बजे मंदिर जाने के लिए निकली थी। जब वे दुजाना गांव के नजदीक पहुंचे तो एक तेज रफ्तार वाहन ने उसके भाई विनोद को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद उसका भाई विनोद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद वे उसे उपचार के लिए रोहतक पीजीआई ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने विनोद को मृत घोषित कर दिया।

रास्ता रोककर पिस्तौल के बट से हमला, केस

बहादुरगढ़। झज्जर रोड पर एक व्यक्ति पर दो युवकों ने हमला कर दिया। पिस्तौल के बट से हमला करने का आरोप है। हमले में व्यक्ति को काफी चोट आई। शिकायत के आधार पर सिटी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में शास्त्री नगर के निवासी धर्मबीर ने कहा है कि झज्जर रोड पर उसकी दुकान है। वह दुकान का ताला लगाकर घर जा रहा था। जब जिया गार्डन के पास पहुंचा तो दो युवकों ने रास्ता रोक लिया। कहने लगे कि यहां क्यों आए हो, फिर मारपीट शुरू कर दी। दोनों ने पिस्तौल के बट से मुझ पर प्रहार किया। फिर धमकी देकर भाग गए। हमले में मुझे सिर, मुंह, कमर सहित अन्य हिस्सों में चोट आई। इसके बाद मैं अस्पताल में ईलाज कराने पहुंचा। उधर, पुलिस ने धर्मबीर की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। दोनों हमलावर युवकों की पहचान हो गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले को सुलझाया जाएगा।

वियतनाम में कुश्ती का दम दिखाएंगे हिंद केसरी सोनू अखाड़े के उमेश कुमार व सुमित पहलवान

■ 18 से 26 जून तक वियतनाम में अंडर-23 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हिंद केसरी सोनू अखाड़े के पहलवान सुमित दलाल व उमेश कुमार अब विएतनाम में दमखम दिखाएंगे। इन दोनों पहलवानों का वहां अगले माह प्रस्तावित अंडर-23 एशियन चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। इनके चयन पर कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है। दरअसल, आगामी 18 से 26 जून तक वियतनाम में अंडर-23 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इस टूर्नामेंट के लिए तमाम एशियाई देश तैयारियों में जुटे हैं। भारतीय दल के सेलेक्शन के लिए लखनऊ में पुरुष वर्ग के पहलवानों की ट्रायल हुई। इस ट्रायल में देशभर के पहलवानों ने भाग लिया। मांडोठी स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े के सुमित दलाल व उमेश ने भी जोर आजमाइश की।

- लखनऊ में ट्रायल के बाद हुआ चयन

बेहतर प्रदर्शन के बल पर जीत दर्ज कर एशियन चैंपियनशिप के लिए अपना चयन सुनिश्चित कराया। इनके चयन पर हिंद केसरी सोनू पहलवान, कॉमनवेल्थ चैंपियन धर्मेंद्र पहलवान, अर्जुन अवॉर्डी ओमवीर पहलवान आदि ने खुशी जताई है।

बहादुरगढ़। हिंद केसरी सोनू पहलवान के साथ उमेश व सुमित दलाल।

अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र दलाल बोले- दोनों होनहार

अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र दलाल ने कहा कि सुमित का 63 केजी ग्रीको रोमन तथा उमेश का 67 केजी ग्रीको रोमन में सिलेक्शन हुआ है। दोनों पहलवान बेहद होनहार हैं। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार मेडल जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। अब ये एशियन चैंपियनशिप के लिए पसीना बहा रहे हैं। हमें पूरा यकीन है कि ये विएतनाम में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतेंगे।

सावधान... बहादुरगढ़ में वाहन चोरी करने के लिए रात को घूम रहे शातिर

■ सांखोल में बाइक चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

इलाके में चोरी की वारदात तेजी लगातार बढ़ रही हैं। कहीं मकान में चोरी हो जाती है तो कहीं दुकानों के ताले चटका दिए जाते हैं। सबसे अधिक वारदात वाहन चोरी की हैं। आए दिन लोग थानों में वाहन चोरी की शिकायतें लेकर पहुंच रहे हैं। दरअसल, रातभर चोर गलियों में घूमते हैं और मौका लगते ही वारदात को अंजाम दे देते हैं।

ताजा मामला यहां गांव सांखोल का है। देर रात को यहां दो संदिग्ध युवकों ने मकान के बाहर गली में खड़ी बाइक को निशाना बनाया। स्टार्ट नहीं हुई तो वे बाइक को दूर तक धक्का देकर ले गए। सीसीटीवी में यह वारदात कैद हुई है। हालांकि बताते हैं कि बाइक में खराबी या कोई अन्य कारण होने के चलते शातिर उसे गांव के ही निकट छोड़कर भाग गए। लोगों का कहना है कि रातभर गलियों में चोर, बदमाश घूमते हैं। यकीनन उनके पास हथियार भी होते होंगे। इसलिए रात्रि सुरक्षा बढ़ाई जाए। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

बहादुरगढ़। सीसीटीवी में बाइक ले जाते दिखाई दे रहे संदिग्ध।

एमबीबीएस में दाखिला व क्लर्क लगवाने का झांसा देकर 55 लाख ठगे, छह पर केस

रुपये वापस मांगने पर धमकी देने का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

एक यूनिवर्सिटी में सरकारी नौकरी लगवाने तथा एमबीबीएस का दाखिला कराने के नाम पर धोखाधड़ी से 55 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने अपने ही मामा व उसके परिवार तथा एक अन्य शख्स पर ये आरोप लगाया है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है लेकिन सिटी थाना पुलिस ने छह लोगों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर 9ए गुरुग्राम के निवासी जोगेंद्र का कहना है कि मेरे मामा के लड़के हिमांशु ने मुझे बताया था कि वो किसी बड़े मंत्री के भतीजे के साथ ऑनलाइन परीक्षा दिलवाने वाली लैब में काम करता है और सरकारी नौकरी लगवाता है। मामा जयभगवान ने भी इसकी पुष्टि की और कहा कि हम अब तक कई लोगों की नौकरी लगवा चुके हैं। उन्होंने मुझे अनिल नाम के एक व्यक्ति से मिलवाया। अनिल ने कहा कि बिना परीक्षा दिए क्लर्क के पद की वैकेंसी है। हम इंटरव्यू पास करवा देंगे लेकिन खर्चा दस लाख रुपये लगेगा। मैंने इस नौकरी पर अपने साले लक्ष्य को लगवाने की सिफारिश की। एक लाख नकद और चालक लाख रुपये का चेक हिमांशु को दे दिया। तीन दिन बाद जयभगवान, उसकी लड़की मेरे साले को इंटरव्यू के लिए देवीलाल यूनिवर्सिटी ले गए। वहां पर गीतांशु और नितिन नाम के लड़के ने लक्ष्य के कागजात व फोटो लिए तथा एक खाली पेपर पर हस्ताक्षर करवाए। एक सप्ताह बाद ज्वाइनिंग लेटर आने की बात कही। मेरे दो और मित्रों सोनू व सुनील से भी नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये ले गए।

बाद में फोन उठाना बंद कर दिया

काफी समय बीतने के बाद किसी का काम नहीं हुआ और हिमांशु ने सबका फोन उठाना बंद कर दिया। लोग मेरे घर पर आकर रुपये वापसी का दबावन बनाने लगे। समाज में इज्जत बचाने के लिए एक व्यक्ति को 25 लाख का चेक देकर आश्वासन दिया कि हिमांशु को बोल कर आपके रुपये वापस दिलवा दूंगा। लेकिन उस व्यक्ति ने चेक बाउंस करा दिया। फिर समझौते के तहत 11 लाख रुपये लेने के बावजूद मुझ पर केस दर्ज करा दिया। मैं जयभगवान व अनिल के घर पर कई बार जा चुका हूं लेकिन वे रुपये के बजाय धमकी देते हैं। मुझ पर हमला भी करवा चुके हैं। कुछ और लोग भी इनके साथ हैं। पुलिस का कहना है कि फिलहाल छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरोपी से युवाओं को ऐसे झांसे में लिया

उनके साथ भी लक्ष्य जैसी गतिविधियां दोहराई गई और रुपये नकद देने का दबाव बनाया। मैं 13 लाख पचास हजार रुपये मामी को दे कर आया। मेरे एक जानकार की लड़की एमबीबीएस के प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी। हिमांशु ने उसका दाखिला बिना परीक्षा के किसी अच्छे विश्वविद्यालय में करवाने की बात करते हुए 25 लाख रुपये खर्चा बताया। वो उनसे दस लाख रुपये पीजीआई रोहतक में काउंसलिंग के बहाने ले गया और बताया कि दो या तीन दिन में फीस जमा करवा देगा। फिर एक नकली रसीद देकर उसने पूरे रुपये देने का दबाव बनाया और दो, तीन बार में कुल 55 लाख रुपये हमसे ले गया।

ट्रॉली की चपेट में आने से महिला गंभीर, केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

रोहद टोल प्लाजा के पास एक चलते ट्रैक्टर से ट्रॉली का हुक निकल गया। सड़क किनारे खड़ी कुछ महिलाएं ट्रॉली की चपेट में आ गई। एक महिला को गंभीर चोट आई है। उसे दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की शिकायत पर आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- रोहद टोल प्लाजा के पास हादसा
- महिला दिल्ली के निजी अस्पताल में भर्ती

घायल की पहचान सावित्री देवी के रूप में हुई है। वह रोहतक जिले के गांव रिटौली की रहने वाली है। सावित्री का कहना है कि वह और गांव की कुछ महिलाएं बहादुरगढ़ गई थी। रास्ते में रोहद टोल प्लाजा के पास एक ट्रैक्टर ट्रॉली वाला कचरे बेच रहा था। खरीदने के लिए हम उसके पास चली गई। इसी दौरान सांपला की तरफ से तेज गति में एक ट्रैक्टर आया। अचानक से ट्रैक्टर से जुड़ी ट्रॉली का हुक खुल गया। ट्रॉली तेज गति में हमारी तरफ आई। मैं व कुछ महिलाएं चपेट में आ गई। मुझे अधिक चोट आई। राहगीर मुझे अस्पताल ले गए। जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दी गई। फिर बेहतर ईलाज के लिए परिजन दिल्ली स्थित एक बड़े अस्पताल में ले आए।

ट्रैक्टरों के कारण हो रहे हादसे

सूचना पाकर पुलिस अस्पताल में बयान लेने आई। अब तबीयत में सुधार होने पर बयान दिया है। आरोपी ट्रैक्टर चालक संभवतः नशे की हालत में था। हादसे के बाद वह फरार हो गया। वहीं, पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया है। मामले में जांच की जा रही है। बता दें कि ट्रैक्टर का कामर्शियल इस्तेमाल बढ़ रहा है। इस वजह से हादसे भी बढ़े रहे हैं। ट्रैक्टर ट्रालियों के कारण बीते कुछ दिनों में कई हादसे हुए हैं। जिनमें कुछ लोगों की जान तक चली गई है। बार बार हो रहे हादसों के बावजूद इस दिशा में सख्त कार्रवाई नहीं हो रही।

ग्रीवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी ने खेल मंत्री गौतम से मिलकर बताई समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

ग्रीवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी ने प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम से मुलाकात कर खिलाड़ियों की समस्याओं से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में उच्च पदों पर बैठे अधिकारी काबिल बच्चों को आगे आने का मौका नहीं देते।

क्रिकेट पर कांग्रेस के लोग कब्जा जमाए बैठे हैं। उन्हें हटाने की जरूरत है। साथ ही बहादुरगढ़. में बने खेल स्टेडियमों की सुध लेने और वहां सुविधाएं बढ़ाने की आवश्यकता है। उनके साथ पुनीत सैनी, अतरे सैनी, कृष्ण, नवीन, सुभाष, मुकेश व राजेश आदि मौजूद रहे।

- सैनी ने खेल मंत्री ने स्टेडियमों में सुविधाएं बढ़ाने की मांग की
- खेलों को राजनीति का अड्डा बनाने वालों को बाहर किया जाए

नप चेयरमैन ने लिया सफाई व्यवस्था का जायजा

झज्जर। बरसात के दिनों में जलभराव के कारण आमजन को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसके लिए नप व जिला प्रशासन पूरी तैयारियां कर रहा है। शहर में नालों की सफाई करवाई जा रही है। इसी कड़ी में नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने शहर में नालों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और ठेकेदार व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि में नालों की सफाई कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य में ढिलाई बरतने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान वार्ड नंबर चार से पार्षद दिनेश छिकारा, पार्षद प्रतिनिधि बिट्टू छाबड़ा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

संशोधित आबकारी नीति के अनुसार ई-टेंडरिंग के शेड्यूल में बदलाव

झज्जर । डीईटीसी अशोक पांचाल ने बताया कि आबकारी एवं कराधान विभाग ने वर्ष 2025-27 के लिए आबकारी नीति में संशोधन जारी किए हैं, जो अब तत्काल प्रभाव से लागू हैं। संशोधित प्रावधानों का उद्देश्य आगामी नीति वर्ष के अंतर्गत खुदरा आबकारी क्षेत्रों के आवंटन के लिए भागीदारी को बढ़ाना और बोली प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।

उन्होंने कहा कि नए परिवर्तनों के मद्देनजर जिले के लिए पहले ई-टेंडरिंग अनुसूची 22 से 23 मई 2025 संशोधित की गई। उन्होंने बताया कि नए शेड्यूल के अनुसार ई-टेंडर 26 मई खोला जाएगा व 27 मई को ई-टेंडर बंद होगा। इसके बाद ई-बोली का मूल्यांकन 27 मई होगा।

आज से नौतपा : अगले 9 दिन खूब सताएगी गर्मी

■ सूर्य रोहिणी नक्षत्र में करीब 15 दिन मौजूद रहेंगे लेकिन शुरुआती 9 दिनों में अधिक गर्मी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

नौतपा रविवार 25 मई से शुरू हो रहा है। अगले 9 दिन बहुत ज्यादा गर्मी पड़ने के साथ ही लू चलने की संभावना है। विदित है कि हर साल ज्येष्ठ माह में 9 दिन आम जनता पर भारी गुजरते हैं। इस दौरान सूर्य की किरणें धरती पर सीधे पड़ने के कारण तापमान सर्वाधिक रहता है। ऐसे में आमजन को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

बता दें कि जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तब नौतपा शुरू होता है। इस बार 25 तारीख से लेकर 3 जून तक भीषण गर्मी देखने को मिलेगी। ऐसे में गर्मी की वजह से लोगों को अपना विशेष ध्यान रखना होगा। खाने-पीने से लेकर बाहर निकलने तक बेहद सावधानी बरतनी होगी। पंडित महेंद्र शर्मा बताते हैं कि 25 तारीख की सुबह 3 बजकर 15 मिनट पर सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके साथ ही नौतपा की शुरुआत होगी और समाप्ति 3 जून को होगी। हालांकि सूर्य 8 जून तक इसी नक्षत्र में रहेंगे, लेकिन भीषण गर्मी 3 जून तक लोगों को महसूस होगी। सूर्य 8 जून के दिन मृगशिरा राशि नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। चूंकि इस 9 दिन के अंतराल में पृथ्वी सूर्य के सबसे करीब रहती है और सूर्य की किरण सीधे पृथ्वी पर पड़ती है। इसीलिए धरती का तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार ये 9 दिन भारी गुजरने वाले हैं। नौतपा आग उगलेगा और लोगों को पूरे दिन उसम भरी गर्मी से जूझना पड़ेगा। भूगोल प्राध्यापक अश्वनी के अनुसार नौतपा के दौरान अधिक गर्मी के चलते मैदानी क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बनता है। समुद्र की लहरें आकर्षित होती हैं। इससे अच्छी बारिश होने की संभावना बनती है।

बहादुरगढ़। गर्मी के बीच स्कूल से घर की ओर जाते बच्चे।

ढीले और सूती कपड़े पहनें

वहीं डॉ. सुखपाल धारीवाल ने आमजन से इस दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान लोग ढीले और सूती कपड़े पहनें। धूप में कम से कम निकलें, और अगर निकलना पड़े तो छाता और चश्मा जरूर पहनें। नींबू पानी, नारियल पानी, आम का पन्ना, छाछ आदि तरल पदार्थ का सेवन करें। नौतपा के दौरान लू या हीटस्ट्रॉक के मामले भी बढ़ सकते हैं, इसलिए सावधानी बरतनी चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों को धूप में बाहर न जाने दें।

आंधी के 3 दिन बाद भी सड़क पर पड़ा पेड़ हादसों को दे रहा न्योता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बुधवार को हाए आंधी तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया था। लेकिन जर्जर प्रशासनिक व्यवस्था का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि तीन दिन बाद भी शहर में सड़क पर गिरे पेड़ों को हटाया नहीं गया है। इससे आवागमन बाधित होने के साथ ही लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि तीन दिन पहले बुधवार की देर शाम आंधी-तूफान ने जन जीवन अस्तव्यस्त कर दिया था। शहर की मुख्य सड़कों के अलावा देहात में बिजली के कई खंभे क्षतिग्रस्त हो गए थे। इंटरनेट के टॉवर, होर्डिंग्स के साथ ही कई पेड़ भी उखड़ गए थे। लेकिन प्रशासनिक निष्क्रियता के चलते कई पेड़ मौके पर ही पड़े हुए हैं।

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-2 में तीन दिन से सड़क पर गिरा पेड़।

सेक्टरवासियों में नाराजगी

सेक्टर-2 में मकान नंबर 2527 के सामने सड़क पर गिरे पेड़ को तीन दिन बाद भी नहीं हटाया गया है। ऐसे में यहां से रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार तीन दिन बाद भी अधिकारियों ने इसकी सुध नहीं ली है। वाहन चालकों को इस मार्ग से गुजरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही हादसा होने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता। पेड़ को हटाने की कार्रवाई में देरी से स्थानीय लोगों की दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। इस कारण सेक्टर के लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

डिफेंस म्यूचुअल फंड ने तीन महीने में दिया 54% तक का रिटर्न

- ऑपरेशन सिंदूर के चलते निवेशकों की बन रहे पहली पसंद
- भारत का डिफेंस सेक्टर अब पहला फोकस बनता जा रहा
- डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी, म्यूचुअल फंड भी कर रहे बेहतरीन प्रदर्शन
- म्यूचुअल फंड ने 1 महीने में 27% तक रिटर्न दिए

बिजनेस डेस्क

'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर दुनियाभर को भारत के डिफेंस सेक्टर की ताकत दिखा दी है। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह से पाकिस्तान में दहशत पैदा की है, उससे ब्रम्होस जैसे देश में बनने वाले हथियारों की ताकत को दिखाया है। इसका नतीजा यह है कि भारत का डिफेंस सेक्टर अब निवेशकों का पहला फोकस बन गया है। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी है, तो डिफेंस म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन भी बेहतरीन दिख रहा है। इन फंड्स का औसत रिटर्न, ब्रॉडर इक्विटी मार्केट से काफी बेहतर है, वहीं शॉर्ट टर्म में दूसरे अन्य सेक्टोरल फंड के मुकाबले भी ज्यादा है।

म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी

भारतीय डिफेंस सेक्टर पर केंद्रित म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी देखी जा रही है। इस सेक्टर पर आधारित म्यूचुअल फंड ने जहां 1 महीने में 27 फीसदी, 3 महीने में 54 फीसदी तक रिटर्न दिए हैं, वहीं इनमें 6 महीने का रिटर्न 38 फीसदी तक हो गया है। खास बात है कि इनमें से ज्यादातर म्यूचुअल फंड 1 साल के अंदर लॉन्च किए गए हैं, जिससे यह बात साफ होती है कि इस सेक्टर की ओर म्यूचुअल फंड भी आकर्षित हो रहे हैं, वहीं हाल की घटनाओं के बाद निवेशक की पहली पसंद बन गया है।

3 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 53.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 53.19%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 53.12%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 52.92%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 52.82%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 38.44%

6 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 37.94%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.78%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.46%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.15%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 16.86%

1 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 27.09%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 18%

डिफेंस स्टॉक्स में रैली जारी

डिफेंस सेक्टर में निवेशकों का भरोसा और इंटरेस्ट तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्टॉक्स और इंडेक्स दोनों में मजबूत प्रदर्शन हो रहा है। इस सेक्टर में जारी तेजी ने लिस्टेड डिफेंस कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन को बड़ा बूस्ट दिया है। 18 लिस्टेड कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप अब 11.23 लाख करोड़ रुपये पर है। यह फरवरी के लो लेवल 6.95 लाख करोड़ रुपये से करीब 50 फीसदी ग्रोथ है। मार्च में निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में करीब 25 फीसदी, अप्रैल में 11.50 फीसदी और मई में अब तक करीब 9 फीसदी की मजबूती आई है. मझगांव डॉक, कोचिन शिपयार्ड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पारस डिफेंस, गार्डेन रिच शिपबिल्डर्स, एमटीएआर टेक, डाटा पैटर्न, मिश्रा धातु निगम, जेन टेक और स्पेस टेक्नोलॉजीज जैसे स्टॉक का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के फायदे

- **स्थिर मांग :** डिफेंस सेक्टर में मांग स्थिर रहती है, क्योंकि सरकारें हमेशा अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए निवेश करती रहती हैं।
- **लंबी अवधि का निवेश :** डिफेंस सेक्टर में निवेश लंबी अवधि के लिए उपयुक्त हो सकता है, क्योंकि इसमें अक्सर बड़े पैमाने पर परियोजनाएं और अनुबंध शामिल होते हैं।
- **सरकारी समर्थन :** डिफेंस सेक्टर में सरकारी समर्थन अक्सर अधिक होता है, जो निवेशकों के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान कर सकता है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के नुकसान

- **नियामक जोखिम :** डिफेंस सेक्टर में नियामक जोखिम अधिक हो सकता है, क्योंकि सरकारें अक्सर नीतियों और नियमों में बदलाव करती रहती हैं।
- **जोखिम और अनिश्चितता :** डिफेंस सेक्टर में जोखिम और अनिश्चितता अधिक हो सकती है, खासकर जब नए उत्पादों या प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की बात आती है।
- **प्रतिस्पर्धा :** डिफेंस सेक्टर में प्रतिस्पर्धा अधिक हो सकती है, खासकर जब बड़ी कंपनियां शामिल होती हैं।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के विकल्प

- **डिफेंस स्टॉक्स:** डिफेंस स्टॉक्स में निवेश करना एक विकल्प हो सकता है, खासकर उन कंपनियों में जो डिफेंस सेक्टर में विशेषज्ञता रखती हैं।
- **डिफेंस म्यूचुअल फंड:** डिफेंस म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो डिफेंस सेक्टर में विविध पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं।
- **प्राइवेट इक्विटी:** प्राइवेट इक्विटी फंड जो डिफेंस सेक्टर में निवेश करते हैं, एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना प्रदान करते हैं।
- **अंततः**, डिफेंस सेक्टर में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

घूमने फिरने के शौकीन हैं तो शुरू कर लें ट्रैवल एसआईपी

- म्यूचुअल फंड से पूरा कर सकते हैं अपने ड्रीम वेकेशन का पूरा खर्च
- अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम
- हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना जरूरी
- आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन नहीं बनेगा
- ट्रैवल के लिए एसआईपी बेहतरीन तरीका, यात्राओं के लिए जोड़ सकते हैं पैसे और कर सकते हैं घूमने का सपना पूरा, नहीं होगी कोई परेशानी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी घूमने फिरने के शौकीन हैं या गर्मी की छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं तो ट्रैवल एसआईपी आपके लिए सबसे बेहतरीन प्लान हो सकता है। इससे आपको अपने घूमने फिरने की चिंता नहीं रहेगी। आसानी से अपना खर्च मैनेज कर सकेंगे। जैसे ही गर्मी की छुट्टियां शुरू होती हैं, लोगों में घूमने फिरने (ट्रैवल करने) का ट्रेंड बढ़ जाता है, चाहे देश के अंदर घूमना फिरना हो या विदेश जाकर छुट्टियां मनाना। घूमने-फिरने का शौक पूरी तरह से लौट आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2024 के पहले छह महीनों में ही 1.5 करोड़ भारतीय विदेश यात्रा पर गए, जो पिछले साल के समान अवधि मुकाबले 14% ज्यादा है और इस दौरान उन्होंने घूमने फिरने पर कुल 2.83 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन अपने सपनों की जगह पर छुट्टियां मनाने जाना सस्ता नहीं होता, सिर्फ पहाड़ों की अकेले ट्रिप का खर्च 1 लाख रुपये तक हो सकता है, जबकि यूरोप में 12 दिनों के लिए कपल टूर की शुरुआत 6 से 7 लाख रुपये (जिसमें हवाई टिकट भी शामिल है) से होती है। तो इसका उपाय क्या है?

समझदारी से करें प्लानिंग

यदि घूमने के लिए जाना है तो समझदारी से प्लानिंग करना, सही बजट बनाना और अपनी वित्तीय स्थिति को अपनी यात्रा की ख्वाहिशों (इच्छा) के साथ जोड़ना यानी सही कदम उठाकर आप बिना किसी आर्थिक तनाव के पूरी दुनिया घूम सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम है हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना, ताकि आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन न बने। आप यह काम कुछ चुनी हुई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके धुमंतू स्टाइल को बिना किसी चिंता के चमका देंगी।

शॉर्ट-टर्म लक्ष्य के लिए लिक्विड फंड्स

अगर आपकी यात्रा की योजना अगले एक साल के अंदर की है, तो लिक्विड फंड के बारे में विचार करें। ये फंड आपके सेविंग्स अकाउंट से ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं, साथ ही इनमें से पैसा निकालना आसान (हाई लिक्विडिटी) होता है और जोखिम भी कम होता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1 लाख रुपये के बजट की मानसून रिट्रीट प्लान कर रहे हैं, तो लिक्विड फंड या आर्बिट्रेज फंड में निवेश करके आप अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं और आपकी रकम आसानी से उपलब्ध रहेगी। जहां सेविंग्स अकाउंट में आपको सालाना सिर्फ 1.75% तक ब्याज मिल सकता है, वहीं लिक्विड फंड्स में कंपाउंडिंग के जरिए आप इसे बढ़ाकर 6% तक रिटर्न हासिल कर सकते हैं। अगर आप थोड़ा और समझदारी से निवेश करें और आर्बिट्रेज फंड में लगाएं, तो आप साल भर में 7.5% तक रिटर्न कमा सकते हैं।

ट्रैवल एसआईपी शुरू करें

ट्रैवल के लिए एसआईपी यह एक ऐसा बेहतरीन तरीका है, जिसमें आप अपनी यात्राओं के लिए पैसे बचा सकते हैं। चाहे आप देश के अंदर किसी छोटी जगह घूमने जा रहे हों या विदेश की लंबी यात्रा पर, एसआईपी आपको हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की सुविधा देता है। ये पैसे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जब आपको अपनी यात्रा के लिए पैसों की जरूरत होगी, तो फंड तैयार रहेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर आप 3 साल बाद अपने पार्टनर के साथ पेरिस घूमने की योजना बना रहे हैं और आपका बजट 5 से 6 लाख रुपये है, तो सालाना 13% रिटर्न मानते हुए, आपको हर महीने लगभग 12,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी या फिर, आप 1.5 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करके अपनी मंथली एसआईपी को घटाकर करीब 7,500 रुपये कर सकते हैं।

लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड

क्या आप 5-10 साल में दुनिया घूमने या किसी शानदार क्रूज पर जाने की योजना बना रहे हैं? लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड सबसे बेहतर विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि इनमें हाई रिटर्न मिलने की संभावना होती है। कंपाउंडिंग की ताकत से ये फंड आपको एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप हर महीने 10,000 रुपये किसी इक्विटी फंड में निवेश करते हैं और 12% सालाना रिटर्न की उम्मीद करते हैं, तो 10 सालों में आपके पास लगभग 20 लाख रुपये जमा हो सकते हैं, जो आपके ड्रीम वेकेशन के लिए काफी होंगे।

सीजनल यात्रियों के लिए खास टिप्स

सर्दियों की यात्राओं के लिए

जनवरी में एक एसआईपी शुरू करें जो अगले साल दिसंबर तक चले। 12 महीने की एसआईपी बैलेंस्ड या हाइब्रिड फंड में करें। यह आपके छुट्टी के खर्चों को पूरा करने में मदद करेगा। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जैसे हाइब्रिड फंड आमतौर पर आर्बिट्रेज फंड की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं।

गर्मियों की छुट्टियों के लिए

पीक सीजन के खर्च को अच्छे से मैनेज करने के लिए 18 महीने पहले से निवेश शुरू करें। इसके लिए मल्टी एसेट फंड जैसे हाइब्रिड फंड का उपयोग करें। अगर आप 3-5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता होती है. ऐसे में लार्ज कैप फंड आपकी पहली पसंद होनी चाहिए।

(डिसक्लेमर : यह जानकारी एक्सपर्ट के हवाले से दी है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए अपनी यात्रा के लक्ष्यों से मेल खाने वाली निवेश रणनीतियों के लिए किसी एम्फी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से सलाह लें।)

दस साल में 19 से 22% सालाना रिटर्न के साथ विनर बने ये 5 स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा
- इनमें से 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की
- इस दौरान निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ा
- इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत

बिजनेस डेस्क

बीते 1 दशक यानी 10 साल की बात करें तो इक्विटी म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी क्लीयर विनर साबित हुई है। 10 साल में जिन 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा है, उनमें से 50 फीसदी यानी 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की हैं। इन 5 स्कीम ने लम्प सम निवेश पर 10 साल में 19 से 22 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है। इनमें निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ गया, वह भी सिर्फ 10 साल में। वहीं, एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए किए गए निवेश पर 20 से 24 फीसदी सालाना रिटर्न मिला है। 10 साल की अवधि में रिटर्न देने में डॉमिनेट करने वाले इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत है। इन सभी स्कीम को 3 स्टार से 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है। इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड और एक्सिस म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप स्कीम शामिल हैं। हम इस रिपोर्ट में 1 से नंबर 5 रही स्कीम की जानकारी देंगे।

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 30,880 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.78% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.15% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 5,76,687 रुपये (5.77 लाख)
- कुल फायदा : 4,76,687 रुपये (4.77 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.80%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 42,53,472 रुपये

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 23,318 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.68% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,02,859 रुपये (6.03 लाख)
- कुल फायदा : 5,02,859 रुपये (5.03 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 44,77,632 रुपये

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 31,790 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.90% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,14,033 रुपये (6.14 लाख)
- कुल फायदा : 5,14,033 रुपये (5.14 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.52%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 41,84,206 रुपये

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- एसेट्स : 26,222 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 20.29% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,34,301 रुपये (6.34 लाख)
- कुल फायदा : 5,34,301 रुपये (5.34 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.98%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 54,33,614 रुपये

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 4 स्टार
- एसेट्स : 58,029 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 22.27% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 7,46,791 रुपये (7.47 लाख)
- कुल फायदा : 6,46,791 रुपये (6.47 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 23.96%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 51,18,853 रुपये

इक्विटी में घट रहा निवेश तो डेट और हाइब्रिड फंड्स में बढ़ रहा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों मंदड़ियों का ही राज है। इस वजह से म्यूचुअल फंड के निवेशकों ने भी पहले की तरह से खुले हाथ से पैसा लगाना कम कर दिया है। तभी तो बीते महीने यानी अप्रैल 2025 के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ है। बीते अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 24,269 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि एक महीने पहले यानी मार्च 2025 यह आंकड़ा 25,082 करोड़ रुपये का था।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च के मुकाबले लगभग 3% की गिरावट आई है। लोग अब इक्विटी फंड से ज्यादा, डेट म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं। बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। जबकि इस साल मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। अप्रैल में इसमें यह एक बड़ा बदलाव आया है।

ईएलएसएस का जलवा खत्म!

आप जानते ही होंगे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कई तरह की कैटेगरी होती हैं। इनमें से 11 कैटेगरी में से ईएलएसएस फंड्स को छोड़कर बाकी सभी में अप्रैल महीने के दौरान उल्लेखनीय निवेश आया। फ्लेक्सी-कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा, 5,541 करोड़ रुपये का निवेश आया। हालांकि, ये मार्च के 5,615 करोड़ रुपये से थोड़ा कम था। स्मॉल-कैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। इनमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ये हैं तेज बढ़ते फंड्स

बीते अप्रैल महीने के दौरान सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश बहुत तेजी से बढ़ा। अप्रैल में इनमें 2,000 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये सिर्फ 170 करोड़ रुपये आया था। वहीं, ईएलएसएस फंड्स से अप्रैल में 372 करोड़ रुपये निकाले गए। जबकि मार्च में इसमें 735 करोड़ रुपये का निवेश आया था। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी इससे 144 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

डेट फंड का बढ़ा वैल्यू

डेट म्यूचुअल फंड्स की 16 कैटेगरी में से 12 में निवेश आया। लिक्विड फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश आया। अप्रैल में लिक्विड फंड्स में 1.18 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में इससे 1.33 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह एक बड़ा बदलाव है।

कम अवधि के फंड में क्या?

मनी मार्केट फंड्स और अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन फंड्स में भी अच्छा निवेश आया। इनमें अप्रैल में क्रमशः 31,507 करोड़ रुपये और 26,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। डेट फंड्स की चार कैटेगरी ऐसी रहीं जिनसे अप्रैल में पैसा निकाला गया। इनमें गिल्ट फंड्स से सबसे ज्यादा, 425 करोड़ रुपये निकाले गए। इसके बाद क्रेडिट रिस्क फंड्स से 301 करोड़ रुपये निकाले गए। डायनेमिक बॉन्ड फंड्स से सबसे कम, 10.23 करोड़ रुपये निकाले गए। मार्च में इससे 372 करोड़ रुपये निकाले गए थे, जिसके मुकाबले ये बहुत बेहतर है।

हाइब्रिड फंड्स में भी बढ़ा निवेश

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में अप्रैल में 14,247 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 946 करोड़ रुपये निकाले गए थे। हाइब्रिड फंड्स की छह कैटेगरी में से डायनेमिक एसेट एलोकेशन, मल्टी-एसेट एलोकेशन और आर्बिट्रेज फंड्स में पॉजिटिव फ्लो देखने को मिला। आर्बिट्रेज फंड्स में सबसे ज्यादा, 11,790 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 2,854 करोड़ रुपये निकाले गए थे। मल्टी-एसेट एलोकेशन और डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स में क्रमशः 2,105 करोड़ रुपये और 881 करोड़ रुपये का निवेश आया।

इन फंड्स से निकाले गए पैसे

इस महीने कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स और इक्विटी सेविंग्स फंड्स से क्रमशः 236 करोड़ रुपये, 151 करोड़ रुपये और 141 करोड़ रुपये निकाले गए। दूसरे स्कीम्स, जिनमें इंडेक्स फंड्स और ईटीएफएस शामिल हैं, में भी निवेश 43% बढ़ा। अप्रैल में इस कैटेगरी में 20,229 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये 14,48 करोड़ रुपये था।

डेट फंड्स

डेट फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो मुख्य रूप से डेट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जैसे कि बॉन्ड, डिबेंचर, और सरकारी सिक्योरिटीज। डेट फंड्स का उद्देश्य नियमित आय और पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना है।

डेट फंड्स के फायदे

- नियमित आयः डेट फंड्स नियमित आय प्रदान कर सकते हैं।
- कम जोखिमः डेट फंड्स आमतौर पर इक्विटी फंड्स की तुलना में कम जोखिम वाले होते हैं।
- पूंजी की सुरक्षाः डेट फंड्स का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा करना है।

हाइब्रिड फंड्स

हाइब्रिड फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करते हैं। हाइब्रिड फंड्स का उद्देश्य इक्विटी के उच्च रिटर्न और डेट की सुरक्षा दोनों को प्रदान करना है।

हाइब्रिड फंड्स के फायदे

- विविधीकरणः हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करके विविधीकरण प्रदान करते हैं।
- जोखिम प्रबंधनः हाइब्रिड फंड्स जोखिम प्रबंधन में मदद कर सकते हैं।
- नियमित आय और पूंजी प्रशंसाः हाइब्रिड फंड्स नियमित आय और पूंजी प्रशंसा दोनों प्रदान कर सकते हैं।
- इन दोनों प्रकार के फंड्स में निवेश करने से पहले, अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

खबर संक्षेप

झज्जर। होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए अतिथि एवं शिक्षक।

होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

झज्जर। शनिवार को श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में आईएनटीएसओ लेवल-2 पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में क्लस्टर हेड कृष्ण कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। जबकि भौतिक विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा पिंकी ने विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान एग्जीक्यूटिव एजीएम विक्रम रेड्डी गारु, एजीएम बालकृष्ण, ईडी जगन, रीजनल इंचार्ज अवनीश सिंह गारु ने आईएनटीएसओ लेवल-2 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान जहां प्रथम स्थान पाने वाले विद्यार्थी को लैपटॉप, मेडल और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया वहीं द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ व पंचम स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक उपहार, मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

फुटवियर पार्क में सड़क व नालों का किया जा रहा निर्माण

नाला निर्माण में बाधा बन रहा फैक्ट्रियों का कबाड़

- सेक्टर-17 के प्लॉट के बाहर फैक्ट्री का कचरा पड़ा जिस कारण नाला पूरी तरह जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। एक सप्ताह पूर्व बने नाले में पड़ा फैक्ट्री का कचरा। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा राज्य औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम द्वारा फुटवियर पार्क में सड़क व नालों का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन इसमें फैक्ट्री संचालकों की लापरवाही आड़े आ रही है। कई फैक्ट्रियों के बाहर पड़ा कबाड़ व अन्य सामान नाला निर्माण में अवरोध बन रहा है। इसीलिए बीसीसीआई और फुटवियर पार्क एसोसिएशन ने उद्यमियों से सहयोग करने की अपील की है।बीसीसीआई उपाध्यक्ष नरेंद्र छिकारा के अनुसार बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा फुटवियर पार्क एसोसिएशन के अथक प्रयासों से फुटवियर पार्क में नालों व सड़क का निर्माण एचएसआईआईडीसी द्वारा करवाया जा रहा है। लेकिन कई फैक्ट्रियों का कबाड़ या तो सड़क पर पड़ा हुआ है या फिर नाले में फैंक रखा है। इसके कारण नालों के जाम होने और सड़कों के दोबारा क्षतिग्रस्त होने की आशंका बरकरार है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-17 के प्लॉट के बाहर फैक्ट्री का कचरा पड़ा है। जिस कारण नाला पूरी तरह जाम है। खाली प्लॉटों में भी फैक्ट्रियों का कचरा फेंका हुआ है। इस कचरे में आग लगने की वजह से बड़ा हादसा भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि मात्र एक सप्ताह पूर्व ही बनाया गया नाला कचरा डालने की वजह से अब फिर बंद हो चुका है। निगम की ओर से कुछ फैक्ट्री मालिकों को कई बार चेतावनी दी जा चुकी है। लेकिन यह चिंता का विषय है। यह कचरा औद्योगिक क्षेत्र का स्वरूप बिगाड़ने के साथ ही बड़े हादसे का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि सभी फैक्ट्री मालिक अपने परिसर के बाहर सड़क पर फैंके गए हर तरह के कबाड़ और कचरे को तुरंत हटवाए। अन्यथा एचएसआईआईडीसी ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने फैक्ट्री संचालकों से औद्योगिक क्षेत्र की स्वच्छता एवं संरचना को बनाए रखने में पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया है।

अंतर शाखीय क्लब स्पर्धा में झज्जर व छुछकवास शाखा का प्रदर्शन उत्कृष्ट

झज्जर। आरईडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छुछकवास में अंतर शाखीय क्लब प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था के निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत व डिप्टी डायरेक्टर शैलेन्द्र सिंह अहलावत ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने प्राचार्या सरिता मल्हान, शाखा प्रमुख सुनील कादियान व प्राईमरी शाखा प्रमुख मीना साहू के साथ प्रतियोगिता की शुरूआत की। क्लब प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने क्वीज, पब्लिक स्पीकिंग, मैप स्किल, चार्ट मेकिंग, वर्किंग मॉडल, टाईपिंग, वेब डिजाईनिंग, पोस्टर मेकिंग आदि में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को संस्था निदेशक जितेन्द्र सिंह अहलावत ने ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। तीसरी से पांचवीं कैटेगरी में छुछकवास शाखा प्रथम, झज्जर द्वितीय तथा दादरी शाखा तृतीय रही। छठी से दसवीं तक की कैटेगरी में छुछकवास व झज्जर शाखा संयुक्त रूप से प्रथम तथा दादरी शाखा द्वितीय रही। 11वीं से 12वीं तक की कैटेगरी में झज्जर शाखा प्रथम तथा छुछकवास शाखा द्वितीयर रही।

अभिभावकों ने लिया अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट का जायजा

झज्जर। शिक्षकों से मिलकर अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट का जायजा लेते हुए अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

इंडो अमेरिकन स्कूल में शनिवार को पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में अभिभावकों ने बड़ी संख्या में भागीदारी करते हुए अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट का जायजा लिया। शिक्षकों से मिलकर उन्होंने अपने बच्चों के परीक्षा परिणामों की जानकारी ली तथा शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने कहा पेरेंट्स-टीचर मीटिंग बच्चों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह अवसर अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर विद्यार्थियों की ताकत और कमजोरियों को समझने और मिलकर समाधान निकालने का मौका देता है। उन्होंने कहा कि स्कूल का उद्देश्य है कि हर विद्यार्थी सफलता की सीढ़ियां चढ़े और जीवन में श्रेष्ठ उपलब्धियां प्राप्त करें। इसके लिए केवल शिक्षकों के नहीं, बल्कि माता-पिता के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। इस दौरान अभिभावकों ने भी शिक्षकों से अपनी समस्याएं और सुझाव सांझा किए।

इंग्लिश डिबेट में कलाम सदन के विद्यार्थियों ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- विजेता विद्यार्थियों को प्रबंधन समिति की ओर से आकर्षक इनाम व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शनिवार को अंतर्सदनीय इंग्लिश डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया की अध्यक्षता में आयोजित इस अंतर्सदनीय इंग्लिश डिबेट स्पर्धा में जिला लेक्चरर यूनियन के प्रधान कुलदीप नेहरा ने मुख्यातिथि तथा एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया ने विशिष्टातिथि के रूप शिरकत की। प्रतियोगिता का मंच संचालन भौतिक विज्ञान प्राध्यापक सोनू यादव ने किया। परिणामों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कलाम सदन से ग्यारहवीं व बारहवीं कक्षा की टीम की नीतू व तन्वी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा नौवीं से दसवीं कक्षा तक की टीम में कलाम सदन से ही वैशाली व प्रियांशु पहले स्थान पर रहे। हिंदी-इंग्लिश कैलिग्राफी और सामान्य ज्ञान क्विज के विजेता विद्यार्थियों को प्रबंधन समिति की ओर से आकर्षक इनाम व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। डायरेक्टर रमेश गुलिया ने कहा कि इंग्लिश डिबेट की इस स्पर्धा में विद्यार्थियों ने जो प्रस्तुति दी है, वह काबिले-तारीफ है। हमारी प्रबंधन समिति का प्रयास ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारना है।

झज्जर। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों के साथ डायरेक्टर रमेश गुलिया। फोटो :हरिभूमि

विभिन्न डिजाइनों में सलाद काटकर छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। काटी हुई सलाद के साथ प्रतिभागी विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों के लिए बैग पेकिंग, टाइंग शू लेस एक्टिवी, क्लोथ फोल्डिंग, सेलिड कटिंग जैसी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन जरूरी है। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने बताया कि स्कूल में समय-समय पर इस तरह की एक्टिविटी कराई जाती है। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया, नीलम दहिया ने विजेता विद्यार्थियों को एप्रिशिएसन सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस मौके पर स्कूल कोर्डिनेटर रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा , भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा, एक्टिविटी टीचर रितिका अन्य भी उपस्थित रहे।

बेस्ट बैग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में शनिवार को नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए बेस्ट बैग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने बैग, किताबों, कॉपियां और अन्य शैक्षणिक सामग्री को सुव्यवस्थित और साफ-सुथरा रखने की प्रेरणा देना रहा। निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों के बैग की स्वच्छता, व्यवस्था, किताबों की स्थिति, कॉपियों की सजावट और बैग के समग्र प्रबंधन के आधार पर विजेताओं का चयन किया। सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान की गई। स्कूल के प्राचार्य पृथ्वीराज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में स्वच्छता, अनुशासन और अपने सामान की सही देखभाल बहुत जरूरी होती है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा विद्यार्थी वही होता है जो न केवल पढ़ाई में आगे हो, बल्कि अपनी चीजों को व्यवस्थित और सम्मानपूर्वक संभालना भी जानता हो। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना को विकसित करती हैं।

झज्जर। शिक्षकों के साथ मंच पर उपस्थित प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

कोर्ट से घोषित पीओ के खिलाफ केस दज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

पुलिस ने कोर्ट से घोषित एक पीओ के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोर्ट ने सुरेश बनाम अंकुर वर्मा मामले में ईस्ट दिल्ली के रामनगर निवासी अंकुर वर्मा को गत 27 फरवरी को पीओ घोषित किया था। कोर्ट ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश जारी किए थे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी और संपत्ति का ब्योरा हासिल करने के प्रयास शुरू कर दिए। उसकी संपत्ति का ब्योरा कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा।

बेहतर अंक प्राप्त करने वाली छात्राएं सम्मानित

बहादुरगढ़। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय आसौदा में शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा में बेहतर परिणाम लाने वाली छात्राएं इस कार्यक्रम में सम्मानित की गई। दरअसल, बारहवीं कक्षा में 91.8 अंक फीसद अंक लेकर शिल्पी ने पहला, कामना ने 90.4 अंक के साथ दूसरा तथा भारती व वंशिका ने 90 फीसद अंक लेकर तीसरा स्थान पाया है। वहीं कक्षा दसवीं में 16 छात्राओं ने मेरिट सूची में स्थान पाया। मुस्कान ने पहला, कनक ने दूसरा और गरिमा ने तीसरा स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने बच्चों को सम्मानित किया। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों और शिक्षकों की मेहनत को सराहा। सीआरसी प्रिंसिपल ऋषि कुमार सहरावत ने बच्चों को बधाई व 2100 रुपये का पारितोषिक दिया। प्रिंसिपल जगबीर सिंह के दिशा निर्देश में यह कार्यक्रम हुआ। शिक्षकों को भी प्रशस्ति पत्र दिए गए। अतर सिंह, जय सिंह, कपूर सिंह आदि गांव के मौजिज लोगों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

नूना माजरा स्कूल में करवाया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। बच्चों को योगाभ्यास करवाते योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। गांव नूना माजरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को योगाचार्य जगदीश सहवाग द्वारा निःशुल्क योग प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। कैंप की अध्यक्षता प्राचार्या डा. कैलाश ने की। जगदीश सहवाग ने बच्चों से प्रतिदिन योग करने का आह्वान किया। क्योंकि इससे शारीरिक व मानसिक विकास होता है। सभी विद्यार्थी व्यायाम-स्वाध्याय-ईश्वर भक्ति के मार्ग पर चलें। इस मौके पर पूनम, नीलम, बीरमति, धनपति, सुशीला, सुदेश, सोनिका व समुन्द्र आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। नशे के विरुद्ध बनाए पोस्टर दिखाते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

छारा में विद्यार्थियों ने नशे के खिलाफ दिया संदेश

बहादुरगढ़। गांव छारा के ग्रामीण वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नशीली दवाओं के खतरे के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के छात्रों ने पोस्टर मेकिंग, स्लोगन एवं स्किट के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्या वंदना व उप-प्रधानाचार्या सविता ने नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। सभी विद्यार्थियों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में कभी भी नशीली दवाओं का सेवन नहीं करेंगे और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। स्कूल संचालक सतेंद्र दलाल ने बच्चों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों से अवगत कराया।

बहादुरगढ़। सरकारी नीतियों के विरुद्ध नारेबाजी करते एसयूसीआई समर्थक।

लाइनपार में प्रदर्शन कर ज्ञापन पर हस्ताक्षर करवाए

बहादुरगढ़। एसयूसीआई कम्युनिस्ट द्वारा लाइनपार की सुभाषनगर, सूरत नगर, न्यू पटेल पार्क, शंकर गार्डन आदि बस्तियों में लोगों की समस्याओं को लेकर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति के नाम भेजे जाने वाले ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी करवाए गए। ज्ञापन में सरकार की स्मार्ट मीटर योजना तथा जन विरोधी बिजली बिल 2023 को वापिस लेने, शिक्षा का निजीकरण-व्यवसायीकरण पर रोक लगाने, उच्च स्तर तक सबके लिए मुफ्त शिक्षा देने, बेरोजगार युवकों को पक्की नौकरी देने, वृद्धावस्था पेंशन 10 हजार रुपये महीना देने, सबके लिए मुफ्त इलाज का प्रबंध करने, भवन निर्माण मजदूरों का रजिस्ट्रेशन करने, उन्हें जीने लायक मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने, मजदूरों की छंटनी तालाबंदी पर कारगर रोक लगाने और 8 घंटे ड्यूटी का न्यूनतम वेतन 28 हजार रुपये प्रति महीने सुनिश्चित करने की मांग की गई। अन्यथा जोरदार जनांदोलन गठित करने की चेतावनी भी दी। इस दौरान रमेश कुमार, दलवीर, धर्मवीर, ओमप्रकाश, सुरेश, सतबीर तथा रामकिशन आदि मौजूद रहे।

ज्येष्ठ अमावस्या के दिन शनि जयंती मनाई जाती है

शनिदेव की कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर है शनि जयंती : मृत्युंजय गिरी महाराज

- शनि जयंती का दिन शनिदेव की पूजा और उनका आशीर्वाद पाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, भगवान शनिदेव की विधि-विधान से पूजा करने से शनि दोष, दुर्भाग्य और विपत्तियों से मुक्ति मिलती है। इनकी आराधना से कुंडली में शनि ग्रह की स्थिति मजबूत होती है और भाग्य प्रबल होता है। ज्येष्ठ अमावस्या के दिन शनि जयंती मनाई जाती है। इस साल शनि जयंती 27 मई को है। यह दिन शनिदेव के जन्मोत्सव के रूप में पूरे भारत में मनाया जाता है। नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी मंदिर के पुजारी मृत्युंजय गिरी महाराज ने बताया कि शनि जयंती का दिन शनिदेव की पूजा और उनका आशीर्वाद पाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। शनि जयंती का पर्व शनिदेव के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह दिन शनिदेव की कृपा प्राप्त करने का

झज्जर। मृत्युंजय गिरी महाराज।

सबसे श्रेष्ठ अवसर होता है। हिंदू धर्म के अनुसार शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है, जो व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। शनि जयंती के दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ शनि मंदिरों में दर्शन करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं। इस दिन श्रद्धालु विशेष रूप से शनिदेव की कृपा प्राप्त करने के लिए उपवास, हवन, तेल अर्पण और स्तुति करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि पर शनि देव का जन्म हुआ था। इस पावन दिन शनि देव की पूजा- अर्चना करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। शनि देव कर्मों के हिसाब से फल देते हैं। ज्येष्ठ माह में शरीर में जल स्तर गिरने लगता है।

एनएचएम कर्मचारियों ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

झज्जर। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव को ज्ञापन सौंपते हुए एनएचएम कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एनएचएम कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों का स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव को ज्ञापन देकर मांगों को पूरी करने की गुहार लगाई। एनएचएम कर्मचारी संदीप कुमार जांगड़ा ने बताया कि प्रदेशभर में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एनएचएम कर्मचारियों की लंबित मांगे सरकार से बार-बार अनुरोध करने पर भी पूरी नहीं हो पा रही। ऐसे में कर्मचारियों को घर चलाने में परेशानी आ रही है। कभी आधी सैलरी मिलती है तो कभी मिलती ही नहीं। ज्ञापन लेने के उपरांत स्वास्थ्य मंत्री ने एनएचएम कर्मचारियों को सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि कोरोना को मात देने में सफलता हासिल करने वाले एनएचएम कर्मचारियों की मेहनत एवं लग्न को देखते हुए हरियाणा सरकार ने प्रोत्साहन राशि से भी सम्मानित किया था। इस मौके पर अखिल सिंगल, राजेश कुमार, मोनिका, पूनम, अनीता, अंजू बागड़ी, सोनू सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

झज्जर। नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्त पत्र सौंपते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि।

नवनियुक्ति पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

झज्जर। भारतीय दलित पिछड़ा वर्ग की एक बैठक शनिवार को प्रदेशाध्यक्ष विक्रम सिंह की अध्यक्षता में स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि व जिला प्रभारी श्याम की मौजूदगी में संगठन का विस्तार करते हुए दलित पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष व महिला मोर्चा अध्यक्ष की नियुक्ति की गई। इस दौरान शीशपाल को भारतीय दलित पिछड़ा वर्ग का जिलाध्यक्ष तथा पूनम को महिला मोर्चा की अध्यक्षा की जिम्मेवारी सौंपी गई। जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने दोनों नवनियुक्ति पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर प्रदेश सचिव देव कुमार, मंजीत शर्मा, बिजेंद्र, रेणु, रविन्द्र आदि उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में संगोष्ठी का आयोजन

माता अहिल्याबाई का जीवन समाज के लिए प्रेरणादायक : आरती सिंह राव

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होलकर का जीवन हम सभी के लिए एक अनमोल प्रेरणा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

माता अहिल्या बाई होलकर ऐसी प्रतिमूर्ति थी, जिनमें मां से लेकर शासक तक का समावेश था। उन्होंने निर्विवाद व निष्पक्ष शासक के रूप में खुद को पेश करके एक मिसाल कायम की, जो सराहनीय है। यह बात हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने शनिवार को लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में देवी अहिल्या बाई होलकर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के उपलक्ष्य में आयोजित जिला संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होलकर का जीवन हम सभी के लिए एक अमूल्य प्रेरणा है, युवा पीढ़ी को उनके बताए मार्ग पर चलकर देश व प्रदेश के विकास में योगदान देना चाहिए।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान मंचासीन स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश में कोरोना कि स्थिति नियंत्रण में

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आक्सीजन व मेडिसन सब भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं। नागरिकों को कोरोना से डरने की जरूरत नहीं बल्कि इससे सर्तक रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पीजीआई रोहतक की लैब को जल्द चेक करके खुलवाया जाएगा। इस दौरान जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मिकी, जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, राजकुमार कटारिया, आनंद सागर, संजय कबलाना, रामफल सैनी, मनीष बंसल, मनीष नंबरदार, सोमवती जाखड़ सहित अन्य भी मौजूद रहे।

अहिल्याबाई को नमन कर झज्जर गए भाजपाई

बहादुरगढ़। शनिवार की सुबह सेक्टर-2 स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता दिनेश कौशिक की अगुवाई में लोकमाता अहिल्याबाई को नमन किया। इसके बाद जिला स्तरीय संगोष्ठी के लिए झज्जर रवाना हुए। दिनेश कौशिक ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन सबके लिए प्रेरणादाई है। सनातन संस्कृति के संरक्षण में उनका अतुलनीय योगदान है। उन्होंने अपने नेतृत्व, न्यायप्रियता और लोक कल्याण के कार्यों से समाज को दिशा दी।

बहादुरगढ़। अहिल्याबाई को नमन करते दिनेश कौशिक व अन्य भाजपाई। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। टाइटल विजेता छात्राओं के साथ प्रिंसिपल डॉ. सुरबाला पैकरे।

हर्षिता बनी एमडी कॉलेज की मिस फेयरवेल

- एमडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

एमडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। हर्षिता को मिस फेयरवेल के खिताब से नवाजा गया। विद्यार्थियों ने रैंपवॉक, हुक स्टेप्स समेत विभिन्न विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रबंधक मंडल के सदस्य रामनिवास छिल्लर, एडवोकेट प्रवीण छिल्लर, डॉ सीमा छिल्लर, डॉ पूनम चौधरी, कॉलेज प्राचार्या डॉ सुरबाला पैकरे के साथ ही स्टॉफ के अन्य सदस्यों और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का स्वागत किया। विद्या की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करने के उपरांत सरस्वती वंदना हुई। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने एक के बाद एक प्रस्तुतियां दी। मंच का संचालन द्वितीय वर्ष की डॉली और आशा रुखसार ने किया। नृत्य, गायन, कविता पाठ इत्यादि विभिन्न कार्यक्रमों में हिमानी, निकिता, नंदिनी, पायल, कोमल, हर्षिता व कोमल आदि ने खूब प्रभावित किया। रामनिवास छिल्लर समेत पूरे प्रबंधक मंडल ने विद्यार्थियों को उनके सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही साथ साल भर में हुई पाठ्य व सहगामी क्रियाओं में शामिल उत्कृष्ट विद्यार्थियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्राचार्या डॉ सुरबाला पैकरे के वार्षिक प्रतिवेदन, धन्यवाद व अतिथियों को स्मृति चिह्न देने के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

बहादुरगढ़। सीएम से मुलाकात करते संजय सैनी व अन्य पदाधिकारी।

सीएम से मिलकर बताए हालात

बहादुरगढ़। भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने दिल्ली के हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने सीएम को बहादुरगढ़ की राजनीतिक गतिविधियों से अवगत करवाया। साथ ही बताया कि कार्यकर्ताओं में जोश बनाए रखने के लिए पार्टी के नेताओं को शक्तियां दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई कांग्रेस समर्थक अफसर जनता को परेशान कर सरकार को बदनाम कर रहे हैं। सरकार की योजनाओं को निष्प्रभावी बना रहे हैं। उनकी पहचान कर कार्रवाई होनी चाहिए। सीएम नायब सैनी ने सभी भ्रष्ट और निकृष्ट अफसरों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर संजय सैनी के साथ आशु यशपाल, धर्मवीर सैनी, मोनू, संदीप व राजेश राठी भी मौजूद रहे।

झज्जर। होनहार विद्यार्थियों व शिक्षकों के साथ उपस्थित जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना। फोटो : हरिभूमि

होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

झज्जर। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादरी तोए में प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान 10वीं व 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना ने मुख्यातिथि तथा खंड शिक्षा अधिकारी रूपिंदर नांदल ने विशिष्टातिथि के रूप में शिरकत की। प्राचार्य डॉक्टर राजेंद्र ने बताया कि 12वीं कक्षा में आर्ट्स संकाय में 90 प्रतिशत नंबर हासिल कर नेहा ने स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा अंजली दूसरे व साक्षी तीसरे स्थान पर रही। इसके अलावा कॉमर्स संकाय में पिंकी, सागर व मनीषा तथा साइंस संकाय में सुनीता, नविता व वंशिका ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। दसवीं में आशा रानी ने 93 प्रतिशत अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया जबकि राधिका दूसरे व गरिमा तीसरे स्थान पर रही। कुल 27 विद्यार्थियों ने मेरिट हासिल की। सभी होनहार विद्यार्थियों को मुख्यातिथि राजेश खन्ना द्वारा मोमेंटों व प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया। इस दौरान कंप्यूटर प्रवक्ता आशीष कादियान, ग्राम सरपंच सुनील, सूरजभान, रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर वेद प्रकाश, पालेराम, ईश्वर नंबरदार, जयकिशन, केशव, मनवीर व धनपत, एसएमसी से प्रधान अशोक, उप प्रधान चंद्रभान, सन्नी, सतीश, नरेंद्र, कमल, सुनील, इंद्रजीत, कुलदीप, मनीष, सुनील, शकुंतला, प्रोमिला, प्रीति, सीमा, ललिता सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

परनाला में नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

गांव परनाला में स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कानूनी जागरूकता प्रकोष्ठ द्वारा चलाए जा रहे साप्ताहिक नशा मुक्ति अभियान का शनिवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में 12वीं कक्षा में प्रथम आने वाले विद्यार्थी चिराग, द्वितीय रही प्रीति तथा तृतीय रहे वृंदावन के अलावा दसवीं में प्रथम आई शैली, द्वितीय रहे मोनित तथा तृतीय रहे अखिलेश को विद्यालय की तरफ से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

स्कूल प्राचार्या संतोष कुमारी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में ब्रह्मशक्ति संजीवनी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. मनीष शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र दहिया व शिक्षाविद् संजीव शर्मा ने विद्यार्थियों को जागरुक किया। कार्यक्रम संयोजिका पूजा शर्मा की देखरेख में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्ति पर भाषण, कविता, नाटक और नृत्य तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि आज के समय नशा एक भंयकर रूप धारण कर चुका है। नशा देश के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए भयंकर खतरा बन गया है। नशे के कारण मानसिक, शारीरिक व संवेगात्मक समस्याएं पैदा होती हैं। नशे के अल्पकालिक व दीर्घकालीन दुष्प्रभाव होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सत्येंद्र दहिया ने नशा नहीं करने की शपथ दिलाई। संजीव शर्मा ने भी बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। प्रिंसिपल संतोष कुमारी ने यह जानकारी अपने परिजनों के साथ सांझा करने का आह्वान किया।

बहादुरगढ़। टॉपर स्टूडेंट्स को सम्मानित करते अतिथि व स्कूल स्टॉफ। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। रंगोली के साथ बाल विकास स्कूल के बच्चे व प्रिंसिपल। फोटो : हरिभूमि

रंगोली बनाकर किया सेना को सलाम

बहादुरगढ़। बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विशेष रंगोली प्रतियोगिता हुई। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए भारतीय सेना की ताकत और बहादुरी को सलाम किया। विद्यार्थियों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य को अपनी रंगोली के माध्यम से दर्शाया। स्कूल डायरेक्टर एडवोकेट प्रवीण छिल्लर ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता की प्रशंसा की। साथ ही उन्हें देश के प्रति कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। प्राचार्या डॉ पूनम चौधरी ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं के बी ग्रुप ने अमर जवान ज्योति की रंगोली बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर भारत के नक्शे की रंगोली बनाने वाले बच्चे रहे।

गौड़ संस्था से जुड़ी है झज्जर की आत्माः डॉ. अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

30 मई को गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी संस्था कैंपस पहरावर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम देश के सैनिकों एवं शहीदों को समर्पित कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम की भव्यता को बढ़ाना है। यह बात हरियाणा के सहकारिता, पर्यटन एवं विरासत, कारागार मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि गौड ब्राहमण विद्या प्रचारिणी संस्था रोहतक बहुत पुरानी संस्था है। सन 1904 में इस संस्था की स्थापना की गई थी और यह संस्था निरंतर ब्राह्मण समाज के साथ-साथ सर्व समाज के लिए कार्य कर रही है। इस संस्था के निर्माण में अनेक महापुरुषों, स्वंतत्रता सैनानियों पंडित श्रीराम शर्मा, पंडित भगवत दयाल शर्मा,पंडित नेकी राम, पंडित जानकी प्रसाद व ब्राह्मण समाज के प्रबुद्ध लोगों का अहम योगदान है। उन्होंने संस्था को आगे बढ़ाने के लिए अपने खून-पसीने से सींचा है। इस मौके पर पूर्व विधायक नरेश शर्मा, पूर्व चेयरमैन मनीष शर्मा, पार्षद मिथुन शर्मा, केशव सिंघल, अनिल मातनहेल, एसएन कौशिक, संत सुरेहती, सुभाष दीवान सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए पार्षद मिथुन शर्मा। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। होनहार छात्र रौनक को सम्मानित करते हुए चेयरमैन डॉक्टर महिपाल। फोटो : हरिभूमि

पायलट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर रौनक को किया सम्मानित

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास के छात्र रौनक बिरमान ने हाल ही में डीजीसीए सीपीएल की परीक्षा पास कर सफलता हासिल की। इस उपलब्धि पर उसे स्कूल की ओर से सम्मानित किया गया। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने अभिभावकों के साथ स्कूल परिसर पहुंचे रौनक को प्रोत्साहन राशि व ट्रॉफी प्रदान की। रौनक ने विद्यार्थियों के साथ अपनी परीक्षा पास करने की यात्रा और उसके अनुभवों को सांझा किया। डीजीसीए से कमर्शियल पायलट लाइसेंस की परीक्षा पहले प्रयास में ही पास करके रौनक ने पायलट बनने का अपना सपना पूरा किया है। परिणामस्वरूप विद्यार्थी रौनक कमर्शियल पायलट का लाइसेंस ले चुके हैं। चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने रौनक व उनके अभिभावकों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी अपने सपनों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपनी मेहनत और संघर्ष से ही आप अपने सपने की उड़ान भर सकते हैं।

योजना के क्रियान्वयन में सुधार की मांग

बहादुरगढ़। समाजसेवी यशपाल हिंदुस्तानी ने सीएम नायब सैनी को सौंपे ज्ञापन में दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना के क्रियान्वयन में सुधार की मांग की है। उनके अनुसार कैंप लगाकर गरीब लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। ताकि किसी भी नागरिक को अपने अधिकारों के लिए भटकना न पड़े।

दुजाना में सिविल डिफेंस कैंप का आयोजन कल

बेरी। आपदा प्रबंधन तैयारियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स के पंजीकरण को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 26 मई को राजकीय महाविद्यालय दुजाना व 27 मई को खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय बेरी में विशेष सिविल डिफेंस कैंप का आयोजन किया जाएगा। एसडीएम रेणुका नांदल ने बताया कि सिविल डिफेंस टीम में शामिल होने के लिए पूर्व सैनिक, पूर्व पुलिस कर्मचारी, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र से जुड़े युवा, रेडक्रॉस स्वयंसेवक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, महिला एवं पुरुष सभी इच्छुक नागरिक भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकरण के लिए प्रतिभागियों को निर्धारित कैंप स्थल पर अपना मूल पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व अन्य निर्धारित दस्तावेज साथ अवश्य लेकर आएं। पंजीकृत वॉलंटियर्स को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा ताकि वे किसी आपात स्थिति में प्रशासन के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग दे सकें।

बीएससी फिजिकल साइंस कोर्स से बनाएं विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में करियर

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

उच्चतर शिक्षा विभाग ने नए शैक्षणिक सत्र से राजकीय महाविद्यालय छारा में बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन, हेल्थ एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स, राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में एमए भूगोल और राजकीय महाविद्यालय, दूबलधन में बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन के तीन नए कोर्स शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की है। उधर विभिन्न कॉलेजों में स्नातक कक्षाओं के दाखिलों के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी हैं। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि नेहरू कॉलेज में शनिवार सांय तक विभिन्न कोर्सों के लिए 183 आवेदन प्राप्त हुए। यहां बीए की 480, बीएससी फिजिकल साइंस की 300, बीएससी लाइफ साइंस की 80, बीकॉम की 140, बीबीए की 80, बीसीए की 80 और बीएससी गणित की 40 सीटें हैं।

दस कॉलेजों में बीएससी फिजिकल साइंस की 1060 सीट

जिले के आठ सरकारी और दो एडिड कॉलेजों में बीएससी फिजिकल साइंस का पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इनमें से पांच कॉलेज शहरी क्षेत्र में जबकि पांच कॉलेज ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं। इन दस कॉलेजों में बीएससी फिजिकल साइंस की 1060 सीटें हैं। बीएससी (नॉन-मेडिकल) कोर्स को अब बीएससी (फिजिकल साइंस) के नाम से जाना जाता है। गणित, भौतिकी और रसायन जैसे विषयों पर आधारित यह कोर्स विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, तार्किक सोच और शोध क्षमता प्रदान करता है। यह न केवल विज्ञान से जुड़े क्षेत्रों में करियर के द्वार खोलता है, बल्कि यह प्रतियोगी परीक्षाओं, अनुसंधान, उच्च शिक्षा और अध्यापन के लिए भी बेहतर है।

किस कॉलेज में हैं बीएससी फिजिकल साइंस की कितनी सीटें

राजकीय नेहरू महाविद्यालय में बीएससी फिजिकल साइंस की 300 सीटें, राजकीय महाविद्यालय, बहादुरगढ़ में 120, राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में 80, राजकीय महाविद्यालय बादली में 80, राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में 160, राजकीय महाविद्यालय छारा में 80, राजकीय महाविद्यालय, दुजाना में 40, राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में 60,महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में 80 तथा वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय बहादुरगढ़ में 60 सीटें हैं।

बहादुरगढ़। नारियल फोड़कर गली निर्माण का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

डाबोदा कलां में गली निर्माण का शुभारंभ

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने शनिवार को गांव डाबोदा कलां में नारियल फोड़कर गली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। ग्राम वासियों ने उनका जोरदार स्वागत करते हुए गली बनवाने पर आभार जताया। उन्होंने बताया कि दादा भैया वाली गली विधायक कोटे से बनेगी। जून ने कहा कि इस गली के निर्माण कार्य में सामग्री की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। इस मौके पर प्रदीप, चंद्रभान, धर्मबीर, खजान, ब्रह्म, संतराम, सतनारायण, रामनिवास, महाबीर, अशोक, रूपेश, राजकुमार, खुदीराम, नरेंद्र, संजीव सैनी, बलराज दलाल, नरेश छिकारा, जयपान खत्री व सुखबीर फौजी आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

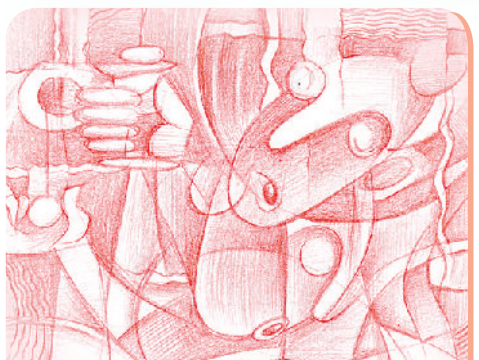

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

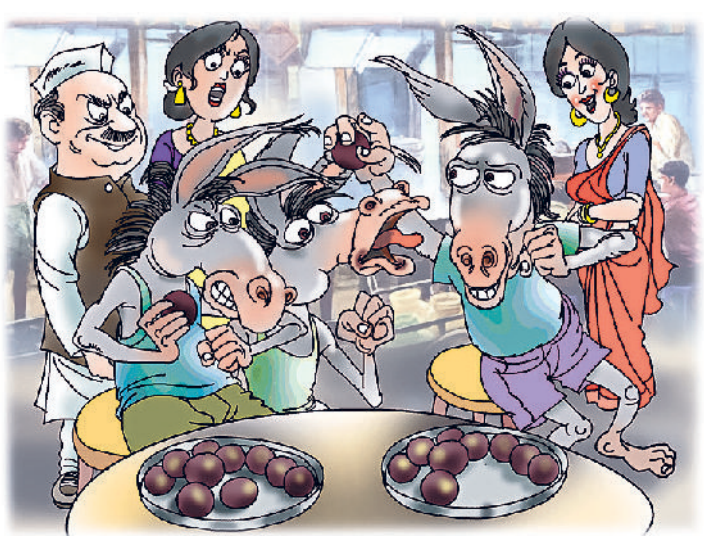

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब/* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

{ फैशन / शिखर चंद जैन }

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

{ सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर }

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

{ रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी }

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्ननापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *